भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3311

जिसका उत्तर शुक्रवार, 7 अगस्त, 2026/16 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है।

वारंगल रेक प्वाइंट

3311. श्री चमाला किरण कुमार रेड्डी:
श्री इटेला राजेंदर:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या तेलंगाना राज्य में रबी सीजन 2025-26 के दौरान वारंगल में उर्वरक हैंडलिंग के लिए रेक प्वाइंट अकार्यशील रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या उक्त रेक प्वाइंट तत्कालीन वारंगल क्षेत्र के छह जिलों की उर्वरक आवश्यकताओं को पूरा करता है जो उक्त राज्य के रबी फसल क्षेत्र का लगभग बारह प्रतिशत हिस्सा है और यदि हां, तो इसका जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त राज्य में चिन्तपल्ली को नया रेक प्वाइंट अधिसूचित किया गया है और एक आईएफ़एमएस कोड भी सृजित किया गया है, किंतु अभी तक संचालन शुरू नहीं हुआ है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या इतने बड़े पैमाने की मांग को तुरंत पूरा करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं अपर्याप्त हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या तेलंगाना सरकार ने किसानों को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए केंद्र सरकार से उक्त जिले के रेक प्वाइंट पर उर्वरक हैंडलिंग की अनुमति देने का अनुरोध किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरक्षा कारणों से वारंगल गुड्स शेड (डब्ल्यूएल) को दिनांक 27.10.2025 से बैगबंद माल की हैंडलिंग के लिए रखा गया है। हालांकि, वारंगल से 12.3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चिंतलापल्ली (सीएलई) गुड्स शेड को बैगबंद माल की हैंडलिंग हेतु अधिसूचित किया गया है तथा यह दिनांक 10.09.2025 से प्रचालनरत है। इस गुड्स शेड पर वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान उर्वरकों के 83 रेकों तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 (जुलाई 2026 तक) के दौरान 74 उर्वरक रेकों का संचालन किया गया है। इसके अतिरिक्त, चिंतलापल्ली (सीएलई) गुड्स शेड पर की गई वैकल्पिक व्यवस्थाएँ वारंगल (डब्ल्यूएल) के लिए आने

वाले माल यातायात (Inward Traffic) के संचालन हेतु पर्याप्त हैं। चिंतलापल्ली में पूर्ण लंबाई वाली रेलवे लाइन उपलब्ध होने के कारण स्प्लिट प्लेसमेंट की आवश्यकता समाप्त हो गई है, जिससे माल उतारने में लगने वाले समय में कमी आई है। यह गुड्स शेड व्यस्त शहरी क्षेत्र से बाहर स्थित होने के कारण वारंगल शहर में प्रदूषण एवं सड़क यातायात की भीड़ को कम करने में भी सहायक है। परिणामस्वरूप, चिंतलापल्ली में अधिक संख्या में रेकों का संचालन किया जा सकता है। इसके अलावा, तेलंगाना राज्य सरकार ने बताया है कि नवंबर 2025 से चिंतलापल्ली के माध्यम से उर्वरकों का प्रचालन प्रारंभ कर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, तेलंगाना राज्य सरकार ने यह भी अवगत कराया है कि वारंगल रेक प्वाइंट का उपयोग पूर्ववर्ती वारंगल जिले की उर्वरक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जाता था। इसका विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**जिलों का नाम**	**रबी फसली क्षेत्र – 2025-26 (एकड़ में)**
1	वारंगल	260749
2	हनमकोंडा	234074
3	महबूबाबाद	322044
4	मुलुगु	98930
5	जयशंकर	156571
6	जनगांव	263047
	पहले के वारंगल ज़िलों का कुल योग	**13,35,415**
	रबी 2025-26 में राज्य के लिए कुल फसली क्षेत्र	**92,42,089**
	उक्त राज्य के रबी फसली क्षेत्र का प्रतिशत	**14.44%**

****